इग्नू
जन–जन का
विश्वविद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ

MJY-001
भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं ऐतिहासिकता

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

MJY-001
भारतीय ज्योतिष का परिचय एवम् ऐतिहासिकता

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवम् ऐतिहासिकता

खण्ड 1 ज्योतिष शास्त्र का उद्‌भव एवं विकास

खण्ड 2 ज्योतिष शास्त्र की उपयोगिता

खण्ड 3 ज्योतिष शास्त्र के अंग

खण्ड 4 ज्योतिष शास्त्र में – सृष्टि, प्रलय, पृथ्वी, दिग् व्यवस्था

पाठ्यक्रम विशेषज्ञ समिति

प्रोफेसर देवी प्रसाद त्रिपाठी
कुलपति, संस्कृत विश्वविद्यालय,
हरिद्वार, उत्तराखण्ड

प्रोफेसर भारत भूषण मिश्र
ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत
विश्वविद्यालय
के.जे.सोमैय्या परिसर, मुम्बई

प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय
अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय,
वाराणसी

प्रोफेसर श्याम देव मिश्र
ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत
विश्वविद्यालय,
जयपुर परिसर, राजस्थान

प्रोफेसर मालती माथुर,
निदेशक, मानविकी विद्यापीठ,
इग्नू

कार्यक्रम समन्वयक,
डॉ0 देवेश कुमार मिश्र
एसोसिएट प्रोफेसर
संस्कृत विभाग, मानविकी
विद्यापीठ, इग्नू

कार्यक्रम समन्वयक (Programme Coordinator)

डॉ0 देवेश कुमार मिश्र
एसोसिएट प्रोफेसर
संस्कृत विभाग, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू

पाठ्यक्रम सम्पादक

प्रोफेसर देवी प्रसाद त्रिपाठी
कुलपति, संस्कृत विश्वविद्यालय
हरिद्वार, उत्तराखण्ड

पाठ्यक्रम लेखक

लेखक	खण्ड	इकाई
डॉ0 प्रवेश व्यास वास्तुशास्त्र विभाग, लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली	1	01 से 05
डॉ0 कृष्ण कुमार भार्गव असिस्टेण्ट प्रोफेसर, वास्तुशास्त्र विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति, आन्ध्रप्रदेश	2	01 से 05
प्रोफेसर श्याम देव मिश्र ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, राजस्थान	3	01 से 05
डॉ0योगेन्द्र कुमार शर्मा वास्तुशास्त्र विभाग, लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली.	4	01 से 06

आवरण

श्री तमाल बासु

सामग्री निर्माण

श्री तिलक राज
सहायक कुल सचिव
सा.नि. एवं वि. प्र. इग्नू, नई दिल्ली

दिसम्बर, 2021

©इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 2021

ISBN : 978-93-5568-140-9

सर्वाधिकार सुरक्षित, इस कार्य का कोई भी अंश इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है।

मानविकी विद्यापीठ एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के बारे में विश्वविद्यालय कार्यालय मैदान गढ़ी नई दिल्ली से अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव, सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग, इग्नू द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित

लेजर टाइप सेटिंग : टेसा मीडिया एण्ड कंप्यूटर, C-206, A.F.Enclave-II, नई दिल्ली

मुद्रक : आकाशदीप प्रिंटर्स, 20–अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110002

विषयानुक्रम

खण्ड 1.	**ज्योतिष शास्त्र का उद्भव एवं विकास**	**7**
इकाई 1.	संस्कृत वाङ्मय का स्वरूप	9
इकाई 2.	ज्योतिष शास्त्र का परिचय	29
इकाई 3.	ज्योतिष शास्त्र का उद्भव एवं विकास	40
इकाई 4.	ज्योतिष शास्त्र के प्रवर्तक एवं आचार्य	53
इकाई 5.	ज्योतिष शास्त्र की वेदांगता	67
खण्ड 2.	**ज्योतिष शास्त्र की उपयोगिता**	**95**
इकाई 1.	शिक्षा के क्षेत्र में ज्योतिष की उपयोगिता	97
इकाई 2.	समाज में ज्योतिष की उपयोगिता	112
इकाई 3.	पर्यावरण और ज्योतिष	125
इकाई 4.	स्वास्थ्य और ज्योतिष	141
इकाई 5.	विभिन्न समस्यायें और ज्योतिष	156
खण्ड 3.	**ज्योतिष शास्त्र के अंग**	**169**
इकाई 1.	बहुस्कन्धात्मक ज्योतिष का विवेचन	171
इकाई 2.	प्रमुख स्कन्ध – सिद्धान्त	184
इकाई 3.	प्रमुख स्कन्ध – संहिता	197
इकाई 4.	प्रमुख स्कन्ध – होरा	211
इकाई 5.	स्कन्धों का पारस्परिक सम्बन्ध	226
खण्ड 4.	**ज्योतिष शास्त्र में – सृष्टि, प्रलय, पृथिवी, दिग् व्यवस्था**	**239**
इकाई 1.	सृष्टि उत्पत्ति के सिद्धान्त	241
इकाई 2.	विश्व, सौरपरिवार एवं पृथिवी	252
इकाई 3.	देश की अवधारणा एवं भेद	276
इकाई 4.	दिक् की अवधारणा एवं भेद	292
इकाई 5.	काल की अवधारणा एवं भेद	303
इकाई 6.	प्रलय की अवधारणा एवं भेद	315

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ

MJY-008

फल-विचार

इग्नू
जन–जन का
विश्वविद्यालय

MJY-008

फल-विचार

खण्ड 1	भावगत राशिफल विवेचन	5
खण्ड 2	भावगत ग्रहफल विवेचन	111
खण्ड 3	भावफल विचार – भाग 1	165
खण्ड 4	भावफल विचार – भाग 2	253

पाठ्यक्रम विशेषज्ञ समिति

प्रोफेसर देवी प्रसाद त्रिपाठी कुलपति, संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखण्ड	प्रोफेसर मालती माथुर निदेशक, मानविकी विद्यापीठ इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, इग्नू, नई दिल्ली
प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	प्रोफेसर भारत भूषण मिश्र ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के.जे. सोमैय्या परिसर, मुम्बई
प्रोफेसर श्यामदेव मिश्र ज्योतिष विभाग,केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, राजस्थान	**कार्यक्रम समन्वयक** (Programme Coordinat डॉ. देवेश कुमार मिश्र, एसोसिएट प्रोफेसर संस्कृत इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, इग्नू, नई दिल्ली
पाठ्यक्रम समन्वयक (Course Coordinator) डॉ.देवेश कुमार मिश्र,एसोसिएट प्रोफेसर संस्कृत, मॉनविकी विद्यापीठ इंदिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई.दिल्ली	**मुख्य सम्पादक** डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, ज्योतिर्विद एवं राष्ट्रीय महासचिव अखिलभारतीय विद्वतपरिषद्, काशी-वाराणसी। पूर्व सेवा:- पंचांग विभाग काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी **सह सम्पादक** डॉ.देवेश कुमार मिश्र एसोसिएट प्रोफेसर संस्कृत, मानविकी विद्यापीठ इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम लेखक

लेखक	खण्ड	इकाई
डॉ.जितेन्द्र कुमार दुबे, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय राजस्थान	1	01 से 04
डॉ. देशबन्धु शर्मा, ज्योतिष विभाग,लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली	2	01 से 03
डॉ. योगेन्द्र शर्मा, ज्योतिष विभाग,लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली	3	01से 06
प्रोफेसर श्यामदेव मिश्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, राजस्थान, वर्तमान :- जम्मू परिसर	4	01 से 07

कार्यालयीय सहयोग: जानकी भट्ट, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू, नई दिल्ली

सामग्री निर्माण

श्री तिलक राज
सहायक कुलसचिव, इग्नू, नई दिल्ली

फरवरी, 2023

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 2023

ISBN: 978-93-5568-735-7

सर्वाधिकार सुरक्षित, इस कार्य का कोई भी अंश इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। मानविकी विद्यापीठ एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के बारे में विश्वविद्यालय कार्यालय मैदान गढ़ी नई दिल्ली से अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव, सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग, इग्नू द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित

लेजर टाइप सेटिंग : टेसा मीडिया एण्ड कंप्यूटर, C-206, A.F.Enclave-II, नई दिल्ली

मुद्रक : चन्दु प्रेस, 469, पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एस्टेट, दिल्ली–110092

विषय-सूची

खण्ड 1	**भावगत राशिफल विवेचन**	**5**
इकाई 1	भावपरिचय एवं विचारणीय विषय	7
इकाई 2	द्वादश-भावगत मेषादि चार राशियों का फल	27
इकाई 3	द्वादश-भावगत सिंहादि चार राशियों का फल	46
इकाई 4	द्वादश-भावगत धनु आदि चार राशियों का फल	78
खण्ड 2	**भावगत ग्रहफल विवेचन**	**111**
इकाई 1	द्वादश-भावगत सूर्य और चन्द्रमा का फल	113
इकाई 2	द्वादश-भावगत मंगल, बुध, गुरु एवं शुक्र ग्रहों का फल	132
इकाई 3	द्वादश-भावगत शनि, राहु एवं केतु ग्रहों का फल	152
खण्ड 3	**भावफल विचार - भाग 1**	**165**
इकाई 1	तनु-भावगत विषयों का विचार	167
इकाई 2	धन-भावगत विषयों का विचार	185
इकाई 3	सुहृद्-भावगत विषयों का विचार	198
इकाई 4	भूमि, भवन, वाहन एवं मातृसुखादि भावों का विचार	211
इकाई 5	विद्या, बुद्धि एवं सन्तति विचार	224
इकाई 6	शत्रु एवं रोग विचार	239
खण्ड 4	**भावफल विचार - भाग 2**	**253**
इकाई 1	दाम्पत्यसुख विचार	255
इकाई 2	आयुविचार	270
इकाई 3	नवमभावगत विषयों का विचार	282
इकाई 4	वृत्ति-विवेचन	297
इकाई 5	आयभावगत विषयों का विचार	309
इकाई 6	व्ययभावगत विषयों का विचार	321
इकाई 7	पुरुषार्थचतुष्टय एवं कर्मफल	334

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ

MVS-011

वास्तुशास्त्र का स्वरूप एवम् इतिहास

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

MVS-011

वास्तुशास्त्र का स्वरूप एवम् इतिहास

खण्ड 1	वास्तुशास्त्र का स्वरूप	9
खण्ड 2	वास्तुशास्त्र का उद्भव एवं विकास	129
खण्ड 3	वास्तुशास्त्र के आचार्य एवं मानक - ग्रन्थ	205
खण्ड 4	वास्तुशास्त्र की अवधारणा	301

पाठ्यक्रम-निर्माण विशेषज्ञ-समिति

प्रोफेसर चन्द्रमौली उपाध्याय पूर्व विभागाध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-उत्तर प्रदेश	प्रोफेसर मालती माथुर निदेशक, मानविकी विद्यापीठ इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू, नई दिल्ली
प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत यूनिवर्सिटी हरिद्वार,उत्तराखण्ड
प्रोफेसर श्यामदेव मिश्र ज्योतिष विभाग,केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, राजस्थान	**कार्यक्रम एवं पाठ्यक्रम समन्वयक** **Programme and Course Coordinator** डॉ. देवेश कुमार मिश्र एसोसिएट प्रोफेसर संस्कृत इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू, नई दिल्ली

प्रोफेसर कौशल पंवार

वर्तमान निदेशक

मानविकी विद्यापीठ

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

मुख्य-सम्पादक	सह-सम्पादक
डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगांवकर संस्कृत, वेद, ज्योतिर्विज्ञान, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन	डॉ.देवेश कुमार मिश्र एसोसिएट प्रोफेसर संस्कृत, मानविकी विद्यापीठ इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम-लेखक

लेखक	खण्ड	इकाई
डॉ. जितेन्द्र कुमार दुबे, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, लाड देवी शर्मा पंचोली, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय राजस्थान	1	01 से 06
डॉ. अम्बुज त्रिवेदी, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, ब्रजभूषण संस्कृत महाविद्यालय, खरखुरा, गया	2	02, 03
डॉ रत्न लाल शर्मा, अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार	2	01, 04, 05
मृत्युञ्जय कुमार तिवारी, सहायक आचार्य एवं अध्यक्ष ज्योतिष विभाग, श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय निंबाहेडा, चित्तौडगढ राजस्थान	3	01 से 06
डॉ. योगेन्द्र शर्मा, वास्तुशास्त्र विभाग, लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली	4	01 से 05

कार्यालयीय सहयोग:

जानकी भट्ट, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू, नई दिल्ली

सामग्री निर्माण

श्री तिलक राज
सहायक कुलसचिव, इग्नू, नई दिल्ली

अप्रैल, 2023

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 2023

ISBN : 978-93-5568-785-2

सर्वाधिकार सुरक्षित, इस कार्य का कोई भी अंश इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। मानविकी विद्यापीठ एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के बारे में विश्वविद्यालय कार्यालय मैदान गढ़ी नई दिल्ली से अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव, सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग, इग्नू द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित

लेजर टाइप सेटिंग : टेसा मीडिया एण्ड कंप्यटूर, C-206, A.F.Enclave-II, नई दिल्ली

मुद्रक : मैसर्स डी० के० प्रिंटर्स, 5/37 ए, कीर्ति नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली – 110015 द्वारा मुद्रित।

विषय-सूची

खण्ड 1	**वास्तुशास्त्र का स्वरूप**	**9**
इकाई 1	वास्तुशास्त्र की परिभाषा एवं परिचय	11
इकाई 2	वास्तु की अवधारणा	30
इकाई 3	वास्तु के प्रकार	52
इकाई 4	वास्तुशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्त (भाग-1)	75
इकाई 5	वास्तुशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्त (भाग-2)	93
इकाई 6	वास्तुशास्त्र एवं ज्योतिष का अन्तः सम्बन्ध	112
खण्ड 2	**वास्तुशास्त्र का उद्भव एवं विकास**	**129**
इकाई 1	वैदिककालीन वास्तुशास्त्र	131
इकाई 2	पुराणों में वास्तु	144
इकाई 3	रामायण, महाभारत एवम् अर्थशास्त्र में वास्तु	159
इकाई 4	तन्त्र एवम् आगम में वास्तु	174
इकाई 5	काव्य एवं नाट्य-ग्रन्थों में वास्तु	186
खण्ड 3	**वास्तुशास्त्र के आचार्य एवं मानक ग्रन्थ**	**205**
इकाई 1	वास्तुशास्त्र के प्रवर्तक	207
इकाई 2	वास्तुशास्त्र के प्रमुख आचार्य	224
इकाई 3	वास्तुशास्त्र के मानक ग्रन्थ (भाग-1)	238
इकाई 4	वास्तुशास्त्र के मानक ग्रन्थ (भाग-2)	254
इकाई 5	प्राचीन भारतीय वास्तुकला	273
इकाई 6	भारतेतर वास्तु-परम्परा	288
खण्ड 4	**वास्तुशास्त्र की अवधारणा**	**301**
इकाई 1	पञ्चमहाभूत एवं तन्मात्राएं	303
इकाई 2	प्राकृतिक शक्तियाँ	315
इकाई 3	देश की अवधारणा	328
इकाई 4	दिक् की अवधारणा	344
इकाई 5	काल की अवधारणा	357

वेद एवं विश्वशांति

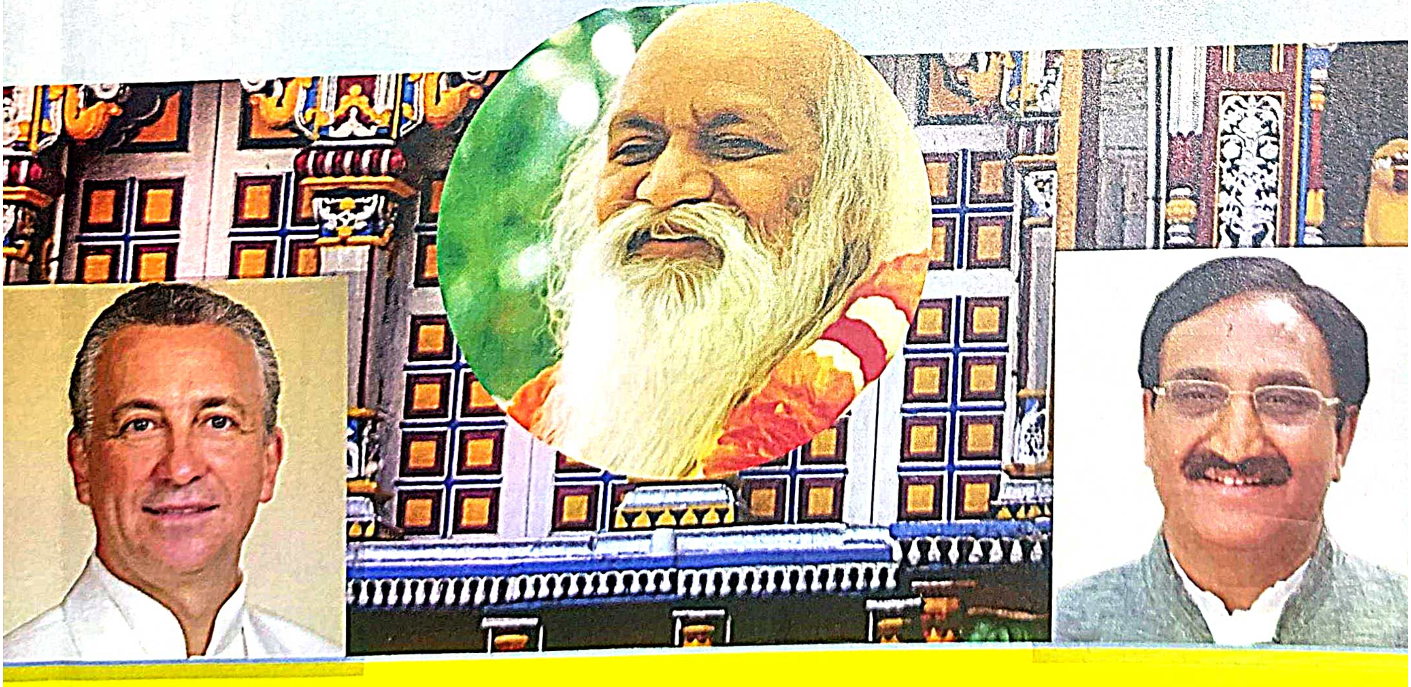

संपादक
डॉ. राजा लुइस अल्वारेज
डॉ. देवी प्रसाद त्रिपाठी

PUBLICATION

PUBLICATION

के.बी.डी. पब्लिकेशन
नई दिल्ली-110002
संस्करण : 2024
ISBN- 978-81-960260-2-8

© सम्पादक

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। सम्पादक/लेखक की लिखित अनुमति के बिना इसके किसी भी अंश की फोटोकॉपी एवं रिकॉर्डिंग सहित इलेक्ट्रोनिक अथवा मशीनी, किसी भी माध्यम से अथवा ज्ञान के संग्रहण एवं पुनः प्रयोग की प्रणाली द्वारा किसी भी रूप में पुनरुत्पादित अथवा संचारित-प्रसारित नहीं किया जा सकता।

वेद एवं विश्व शान्ति

सम्पादकः राजा लुइस अल्वारेज एवं प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी

प्रकाशक

के.बी.डी. पब्लिकेशन

4262/3, प्रथम मंजिल, अंसारी रोड़,
दरियागंज, दिल्ली- 110002
फोन: 011-43580581, 09810611914
Email: kbd.publication@gmail.com

10. वेदों में पर्यावरणीय अभिचेतना
– डॉ. मोहिनी अरोरा –168
11. स्थिरता के अनन्त रास्ते : शाश्वत भारतीय ज्ञान और सतत विकास लक्ष्य
– डॉ. प्रतिभा –183
12. वेदकालीन शिल्पी
– डॉ.देशबन्धु –197
13. वेदों में गणितशास्त्र
– डॉ. प्रवेशव्यास –206
14. वैदिक वाङ्मय में ऋतुओं की अवधारणा
– डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा –221
15. वैदिक वास्तु विमर्श
– डॉ. दीपक वशिष्ठ –230
16. वैदिक पर्यावरणीय चिन्तन
– डॉ. नवीन पाण्डेय –238
17. वैदिक मनोविज्ञान का एक अध्ययन
– डॉ. सूर्यमणि भण्डारी –256
18. वैदिक विज्ञान: ब्रह्माण्ड के रहस्यों का अनावरण
– डॉ. अव्यक्त रैना –264

वेद वाङ्मय में ऋतु अवधारणा

-डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा

सहा.आचार्य, वास्तुशास्त्र विभाग,

श्री ला.बहा.शा.रा.सं.विश्वविद्यालय, नई दिल्ली 110016

वह शास्त्र जिसमें मौसम संबंधी स्थितियों जैसे बादल, हवा, बारिश, आंधी, तूफान, बर्फ, पाला आदि के संकेतकों का विश्लेषण के साथ वर्णन किया जाता है और इन भविष्य की स्थितियों का पूर्वानुमान प्राप्त करने की विधियों का विश्लेषण किया जाता है, मौसम विज्ञान अथवा ऋतु विज्ञान कहलाता है।[1] यह शास्त्र प्राच्य ग्रंथों में वर्षा के ज्ञान के शास्त्र के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ वर्षा शब्द का अर्थ आचार्यों द्वारा सभी प्रकार के बादल, वायु, वर्षा, हिम, ओला, हिम, बर्फ आदि के रूप में लिया गया है। वराहमिहिर की बृहत्संहिता[2] से यह ज्ञात होता है कि यह शास्त्र प्राचीन काल में सुविकसित था। वर्षा की दृष्टि से शोभन सम्वत्सर के सूचकों के वर्णन के सन्दर्भ में इस शास्त्र की विभिन्न शाखाओं का सूत्रबद्ध निर्देश कौटलीय अर्थशास्त्र में मिलता है। उदाहरण के लिए बृहस्पति के मान की धारणा से, स्थान, गति, गर्भाधान से, शुक्र के उदय और अस्त की गति से, सूर्य की प्रकृति एवं विकृति आदि के माध्यम से वर्षा की मात्रा एवं अवधि का ज्ञान किया जाता है।[3] इसी सन्दर्भ में अन्यत्र भी मिलता है जैसे मेषादि राशियों की स्थिती, मेष और अन्य राशियों की चाल, मेष-वृषभादि राशियों का गोचर तथा संक्रान्ति, मेघ- गर्भाधान, मार्गशीर्षादि छः मासों में तुषार (पाला) पड़ना, आषाढ़ मास की पंचमी तिथि से नवमी तिथि के में गोचर तथा सूर्य प्रकृति-विकृति एवं स्वभाव व परिवेष आदि के प्रभाव का सूत्रबद्ध निर्देश ब्रह्म-वैवर्त पुराण में भी मिलता है।[4]